कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों का पाठ्यपुस्तकीय तथा संदर्भीय ज्ञान-एक अध्ययन

विषय: ऽ मृतवस्तुते.

एन.सी.ई.आर.टी
NCERT

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
की
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)
की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध

2007-2008

शोधकर्ता
मनसुख आर. टकर
एम.एड. छात्र

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों का पाठ्यपुस्तकीय तथा संदर्भीय ज्ञान-एक अध्ययन

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

D-265

एन.सी.ई.आर.टी.
NCERT

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
की
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)
की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध
2007–2008

Regional Institute of Education
LIBRARY
Bhopal

शोधकर्ता
मनसुख आर. ठाकर
एम.एड. छात्र

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, राष्ट्रीय क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

घोषणा–पत्र

मैं मनसुख आर. ठाकर एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) यह घोषणा करता हूँ कि **''कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों का पाठ्यपुस्तकीय तथा संदर्भीय ज्ञान–एक अध्ययन''** नामक विषय पर लघु शोध प्रबंध 2007–08 मे डॉ. बी. रमेश बाबू प्रवाचक शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है।

इस शोध में किये गये प्रदत्त एवं सूचनाऐं विश्वसनीय स्त्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त की गई है। तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक है।

यह लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) 2007–08 की उपाधि की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। इस लघु शोध का उपयोग अन्य उपाधी के लिये प्रस्तुत नहीं किया जायेगा।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 17 अप्रैल 2008

शोधकर्ता

मनसुख आर. ठाकर

एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) छात्र

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)

भोपाल (म.प्र.)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री मनसुख आर. ठाकर क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.) भोपाल में एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) के नियमित छात्र है। इन्होंने बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघशोध विषय प्रबंध **''कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों का पाठ्यपुस्तकीय तथा संदर्भीय ज्ञान–एक अध्ययन''** मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। यह शोधकार्य इनकी निष्ठा एवं लगन से किया गया मौखिक प्रयास है, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम. एड. (प्रारंभिक शिक्षा) परीक्षा सन् 2007–2008 की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत है।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 17 अप्रैल 2008

निर्देशक 17.04.2008

डॉ. बी. रमेश बाबू

प्रवाचक, शिक्षा विभाग

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, (एन.सी.ई.आर.टी.)

भोपाल (म.प्र.)

आभार–ज्ञापन

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध की सम्पन्नता के लिए मैं अपने निर्देशक श्रद्धेय डॉ. बी. रमेश बाबू (प्रवाचक) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल का कृतज्ञ हूँ, जिन्होनें अत्याधिक व्यस्तता के बावजूद भी अपने सौहार्दपूर्ण व्यवहार के द्वारा मेरी कठिनाईयों का निराकरण किया एवं मुझे प्रगति की ओर अग्रसर करते रहे। यह शोध–प्रबंध आपके ही मार्गदर्शन का प्रतिफल है। आपके द्वारा धैर्यपूर्वक प्रदत्त, आत्मीयता, वात्सल्यपूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन अविस्मरणीय रहेगा।

मैं अपने आदरणीय प्राचार्य डॉ. ए.बी.सक्सेना, विभागाध्यक्ष डॉ.जी.एन. प्रकाश श्रीवास्तव के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। डॉ. यु. लक्ष्मीनारायण, डॉ. एम.यु. पैईली, प्रा. श्री संजय पंडागले, एवं समस्त गुरूजनों का हृदय से आभारी हूँ। जिन्होनें समय–समय पर उचित मार्गदर्शन करके मेरे शोधकार्य का मार्ग प्रशस्त किया।

मैं मेरे करीबी मित्र डॉ. ए.आर.भरड़ा, डॉ. योगेश दवे, महेश भूतिया, प्रीति बलभद्र तथा उन समस्त विद्यालय के मुख्याध्यापक, शिक्षक एवं विद्यार्थियों का हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने प्रदत्तों के संकलन में सहयोग दिया।

मैं अपने सहयोगी मित्र हितेष, जयेन्द्र, हरेश, नूतन, रूचा तथा सभी सहपाठियों का धन्यवाद करता हूँ। जिन्होनें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस कार्य को सम्पन्न करने में सहयोग प्रदान किया हैं। साथ ही यह लघुशोध प्रबंध को मुद्रित स्वरूप देने के लिए दशरथ सिंह राजपूत, राजपूत फोटोकॉपी भोपाल का हृदय से धन्यवाद करता हूँ।

अपने आदरणीय माता–पिता तथा परिवार के शुभचिन्तकों का जीवनपर्यन्त चिरऋणी रहूँगा, जिन्होंने मेरे अध्ययन में महत्वकांक्षा की पूर्ति हेतु तन,मन,धन से सहयोग तथा आशीर्वाद दिया है।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 17 अप्रैल 2008

शोधकर्ता

मनसुख आर. ठाकर

एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) छात्र

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)

भोपाल (म.प्र.)

अनुक्रमणिका

घोषणा पत्र
प्रमाण पत्र
आभार ज्ञापन

			पृष्ठ संख्या
अध्याय –I	**प्रस्तावना**		1–18
1.1	1.1.0	भूमिका	01
	1.1.1	ज्ञान का अर्थ	02
	1.1.2	ज्ञान का दर्शनशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य	02
	1.1.3	भारतीय दर्शनशास्त्र में ज्ञान	04
	1.1.4	ज्ञान का सामाजिक एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य	05
1.2	अध्ययन की पूर्वधारणा		07
1.3	अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व		08
1.4	समस्या कथन		10
1.5	अध्ययन के उद्देश्य		10
1.6	अध्ययन क्षेत्र		11
1.7	अध्ययन प्रकार		11
1.8	अध्ययन प्रश्नों		12
1.9	तकनीकी शब्दों की कार्यात्मक व्याख्या		13
1.10	अध्ययन का सीमांकन		17
1.11	अध्ययन की रूपरेखा		18
1.12	अगले अध्याय का पूर्व आयोजन		
अध्याय –II	**समस्या संबंधित साहित्य का सैद्धान्तिक आधार**		19–33
2.0	भूमिका		19
2.1	संबंधित साहित्य के सैद्धांतिक आधार का लाभ		20
2.2	समस्या संबंधित साहित्य का सैद्धान्तिक आधार		20
	2.2.1	राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा –2005	20
	2.2.2	अन्य संबंधित साहित्य	31

अध्याय –III	**शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया**	34–39
3.0	भूमिका	34
3.1	न्यादर्श का चयन	34
3.2	अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण	35
3.3	प्रदत्तों/वृत्तांत का संकलन	39
3.4	प्रदत्तों का सांख्यिकी उपयोग एवं वृत्तांत पृथक्करण	39
अध्याय –IV	**प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या**	40–71
4.0	भूमिका	40
4.1	पाठ्यपुस्तकीय ज्ञान के परिप्रेक्ष्य में परीक्षण	41
4.2	संदर्भीय ज्ञान के परिप्रेक्ष्य में परीक्षण	53
4.3	विद्यार्थियों का पाठ्यपुस्तकीय तथा संदर्भीय ज्ञान	70
अध्याय –V	**शोध निष्कर्ष एवं सुझाव**	72–84
5.0	भूमिका	72
5.1	अध्ययन के उद्देश्य	74
5.2	अध्ययन प्रश्नों	74
5.3	न्यादर्श	75
5.4	उपकरण	75
5.5	प्रदत्तों/वृत्तांत का विश्लेषण	77
5.6	अध्ययन के परिणाम	77
5.7	निष्कर्ष एवं व्याख्या	79
5.8	भविष्य में शोध हेतु समस्याएँ	82
	संदर्भ ग्रंथ सूची	85
	परिशिष्ट	
	गुजरात राज्य मानचित्र	
	पोरबंदर जिला मानचित्र	
	सी.डी. (फोटो एवं वीडियोक्लिप्स)	

ज्ञान का समाजशास्त्रीय अध्ययन

कक्षा–8वीं के विद्यार्थीयों का पाठ्य–पुस्तकीय एवं संदर्भीय ज्ञान–एक अध्ययन